8 गृह निर्माण-स्वच्छता
(House construction – Sanitation)

हमें रहने के लिए घर चाहिए। गाँव और नगरों में कई प्रकार के घर होते हैं। निम्न चित्र में कुछ घर हैं। उन्हें देखेंगे -

समूह में चर्चा कीजिए-

- चित्र में किस प्रकार के घर हैं?
- तुम्हारे गाँव में किस-किस तरह के घर हैं?
- घर विभिन्न प्रकार के क्यों होते हैं?

8.1. गृह-कल-आज

पहले से तुलना की जाए तो गृह निर्माण में अनेक बदलाव आए हैं। पहले लोग कहाँ निवास करते थे? जानते हो किस प्रकार के गृहों में निवास करते थे?

यादगिरी थापी मिस्त्री है। पिछले बीस वर्षों से गृह निर्माण का कार्य कर रहा है। उसने गांवों में, नगरों में कई प्रकार के घरों का निर्माण किया है। आइए, यादगिरि द्वारा बनाए गए कुछ घर देखें। बीस वर्षों से सैकड़ों गृह निर्माण करने वाले यादगिरी ने गृह निर्माण में आए बदलाव के बारे में क्या कहा सुनेंगे!

SCERT TELANGANA

मेरे बचपन में हमारे माँ-बाप ने हमारा घर बनाया। हमारा मिट्टी से बनाया घर है। मैं और मेरे बहिन ने भी घर बनाने में सहायता की है। मिट्टी खोदकर पानी से मिलाकर तोंदे बनाए हैं। इन मिट्टी के तोंदो को जमाते हुए दीवार बनाई गई। चार दीवारें छ फीट ऊँची उठाने के बाद लकड़ी से बनी लक्कड़ों पर बाँस की पतली पत्तियाँ डालकर, ताड़पत्रों से छत डाली गयी। नीम की लकड़ी कटवाकर बढ़ाई सत्यमय्या से दरवाजे खिड़कियाँ बनावाए गए। इनको दीवारों में लगाया गया। हमारी माँ कमरे की दीवारों और फर्श पर गोर का लेप करके विभिन्न आकार के चित्र उतारती थीं। शुभ कार्यों के समय दीवारों को हम ही चूना डालते थे। उन दिनों हमारा घर बनाने की सभी सामग्री यहीं पर लगभग निःशुल्क ही मिली। हमारा घर ठंडा रहता था।

समूह में चर्चा कीजिए-

- यादगिरि के लोग घर बनाने के लिए क्या-क्या सामग्री का प्रयोग किए हैं? इसमें क्या-क्या खरीदे होंगे? क्या निःशुल्क मिले होंगे?
- उस जमाने में बनाए गए मिट्टी के घर, आज के घरों में क्या अंतर है?
- क्या इस काल में भी मिट्टी के घर बना रहे हैं? या नहीं, क्यों?

8.2. मिट्टी की छत

मैं 18 वर्ष की आयु में थापी मिस्त्री बना। पहले मिट्टी के भवन निर्माण करता था। क्या तुम्हें मालूम है? भवन की दीवारें मिट्टी से बनाते थे। ऊपर की छत भी मिट्टी की बनाते थे। उसके बाद रेती, चूना, 'डंग' में डालकर घुमाया जाता, उससे बने मिश्रित पदार्थ से दीवार जमाने में बनाते थे। प्राचीन काल के दुर्ग की दीवारें भी पत्थर चूने से बनी हुई ही हैं।

उन दिनों मैंने जली हुई ईंटे, चूने से कई बंगले बनाये हैं। इन बंगलों में रसोई घर, धान्य रखने के कमरे रहते थे। दीवारों को रेत, चूने के मिश्रण से पुताई की जाती थी। सागवान, मद्दी लकड़ी के लक्कड़ों पर बेंगलूर टाइल्स से ऊपरी छत बनाते थे। नीचे जमीन पर तांडूर, शाबाद के पत्थर बिछाए जाते थे। घर के चारों ओर ज्यादा खाली प्रवेश छोड़ा जाता था। हर घर में नीम का पेड़ लगाया जाता था। घर के सामने चबूतरे होते थे। रात के समय ज्यादा लोग आँगन में पलँग पर सोते थे।

SCERT TELANGANA

घर के सामने चबूतरे रहने से क्या लाभ है?

बहुत धनवान लोग बंगले बनवाते थे। ईंट की दीवारें बनाते थे।

इस पर सिमेंट की प्लास्टरिंग करते थे। ऊपरी छत पर सिमेंट, कंकर, रेती से बनी कांक्रीट मिश्रण से स्लैब का निर्माण होता था।

समूह में चर्चा कीजिए-

- ईंट से दीवार बनाते समय ईंटों को कैसे रखा जाता है?
- बंगले बनाने में कौनसी सामग्री का उपयोग करते हैं? वह सामग्री कहां मिलती है?
- बंगले के निर्माण में कौन-कौन सहायता किये होंगे?

इसी बीच मैंने एक डूप्लेक्स मकान बनाया। घर के मालिक का नाम चक्रपाणि है। स्थल 36 गज लंबी 30 गज चौड़ी है। इंजीनियर से घर का नक्शा बनवाया।

सोचिए...

चक्रपाणि के घर का नक्शा देखिए। पहले तल पर क्या-क्या है बताइए।

© SCERT TELANGANA

पहले सिमेंट कांक्रीट से आधार बनाकर, लोहे की सलाखों में कांक्रीट डालकर पिल्लर बनाए। सिमेंट की ईंटों से दीवार बनाए। विचित्र बात यह है कि हम जो सीमेंट ईंट का उपयोग किए हैं, वो बहुत हल्के हैं। पानी में डालने पर ऊपर तैर रहे हैं। स्लैब (छत) डालने के लिए लिफ्ट, वाइब्रेटर का उपयोग किए हैं। कमरे ठंडे रहने के लिए छत में प्लास्टर ऑफ पैरिस की शीटों से सीलिंग किए हैं। जमीन पर राजस्थान, उत्तर प्रदेश से मँगाया गया संगमरमर का पत्थर बिछाया गया। रसोई घर, स्नान गृह में सिरामिक्स टाइल्स लगाए हैं।

यह घर बनाने के लिए केवल मेरी निपुणता बस नहीं हुई। टाइल्स लगाने, पत्थर बिछाने, सीलिंग बनाने, रंग डालने, पाइप लाइन बनाने बहुत सारे कुशल कारीगरों की जरूरत पड़ी। घर के ऊपर लगाया गया सौर ऊर्जा फलक से घर के लिए आवश्यक बिजली का उत्पादन हो रहा है। पानी भी गरम हो रहा है। जो स्थल था पूरा घर बनाने के लिए पर्याप्त हुआ। मकान के ऊपरी छत पर प्लास्टिक शीट बिछाकर

सोचिए...

- डूप्लेक्स और साधारण मकान में क्या भेद हैं?
- रूफ गार्डन किसे कहते हैं? रूफ गार्डन बनाने का उद्देश्य क्या है?

मिट्टी से खलिहान जैसा बनाकर उसमें तरकारी, फूलों के पौधे उगाने की व्यवस्था किए हैं। इसी को रूफ गार्डन कहते हैं।

संग्रह कीजिए-

- गृह निर्माण कैसे हो रहा है? कितने स्थल में बना रहे हैं?
- कितने आदमी काम कर रहे हैं? कौन-कौन क्या काम कर रहे हैं?
- काम करने वालों को दैनिक भत्ता कितना दिया जा रहा है? (किन्हीं तीन से पूछकर लिखिए)
- गृह निर्माण के लिए कौन-कौन सी सामग्री का उपयोग कर रहे हैं? कौनसे औजार का उपयोग कर रहे हैं?
- यह सामग्री कैसे लेकर आए हैं? (ट्रैक्टर, लॉरी, आटो, बैलगाड़ी, रिक्शा आदि)
- एक कमरा बनाने मे कितनी ईंट, कितने सीमेंट के थैले चाहिए?
- एक कमरा बनाने में लगभग कितना खर्च होगा?

SCERT TELANGANA

8.3. गृहनिर्माण कैसे होता है?

आपके घर के करीब निर्माणाधीन किसी गृह के पास जाइए। जानकारी एकत्र करके लिखिए।

8.4. ईंट बनाने की विधि

ईंट तैयार करने में निम्न दशाएं रहती हैं

- कच्ची मिट्टी इकट्ठा करना।
- कच्ची मिट्टी को कीचड़ के साथ मिलाना।
- इसको पानी से मिलाकर जानवरों से रौंदवाकर नरम बनाना।
- मिट्टी के तोंदों को ईंट के आकार वाले सांचे में डालकर, कच्ची ईंटो को दो दिन सुखाया जाता है।
- सूखी हुई कच्ची ईंटों को भट्टी के आकार में जमाया जाता है। धान की भूसी से जलाया जाता है। ईंट की भट्टी तीस दिन तक जलती है।
- ईंट लाल होने के बाद एक सप्ताह ठंडी करके घर बनाने वालों को बेचते हैं।

समूह में चर्चा कीजिए-

ईंट कैसे तैयार किया जाता है, आपने मालूम कर लिया न! नीचे के चित्र देखिए। ईंट तैयार करने के सोपान चित्रों के नीचे लिखिए।

1. _____

2. _____

3. _____

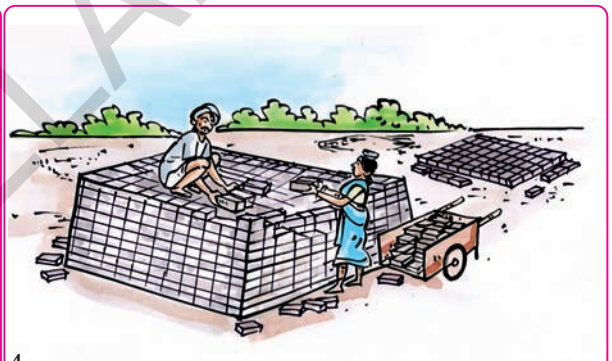

4. _____

5. _____

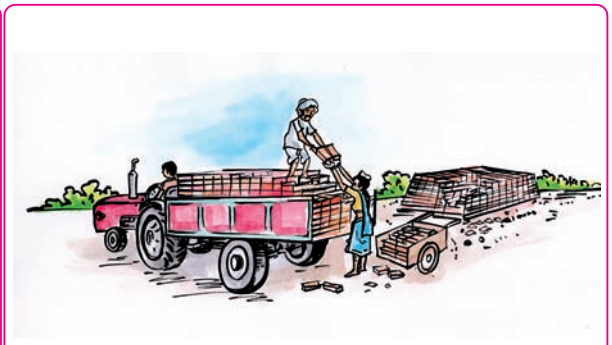

6. _____

गृह निर्माण के लिए ज्यादा मिट्टी से बनी ईंटों का ही उपयोग कर रहे हैं। हल्की, मजबूत, लाल रंग की गुणवत्ता वाली ईंटों की माँग रहती है। फिर इन ईंटों को कैसे तैयार करते हैं, क्या मालूम है? ईंट बनाने

SCERT TELANGANA

की विभिन्न दशाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे?

घर निर्माण में ईंट के साथ-साथ पत्थर, रेत, सिमेंट, कंकड़, छड़, टाइल्स आदि का प्रयोग भी होता है। इनके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।

तांडूर पत्थर

राजस्थान का संगमरमर

शाबाद पत्थर

खम्मम ग्रेनाइट

8.5. गृह निर्माण-अन्य सामग्री

घर बनाने के लिए ईंटों के साथ बुनियाद में उपयोगी पत्थर, फर्श पर बिछाने वाले पत्थर हमारे राज्य में तांडूर, बेतमचर्ला, खम्मम में विभिन्न रंगों में मिल रहे हैं।

कांक्रीट मिश्रण बनाने के लिए कंकड़-पत्थर की आवश्यकता होती है।

स्टोन क्रशर मशीन

SCERT TELANGANA

सोचिए...

- क्या? मजदूरों के बच्चे पाठशाला जाते हैं? अगर वो नहीं पढ़े तो क्या होगा?
- ईंट की भट्टी गृह निर्माण स्थलों में रहने वाले मजदूरों को क्या सुविधाएँ चाहिए? वे किस तरह उपलब्ध कराए जाएँगे?

इसके लिए क्रशर का उपयोग करते हैं। बड़े-बड़े पत्थर मशीन में डालकर छोटे-छोटे कंकड़-पत्थर तैयार करते हैं। यह काम करने वाले मजदूर जरूरत पड़ने पर अपने आवास वहीं पर बना लेते हैं। उनके साथ उनके बच्चे भी वहीं पर रहते हैं।

8.6. अपार्टमेंट का निर्माण

नगरों में भूमि का मूल्य बहुत ज्यादा रहता है। इसलिए कम स्थल पर ज्यादा घर वाले बड़े-बड़े अपार्टमेंट का निर्माण करते हैं। एक-एक अपार्टमेंट में 25-30 परिवारों के आवास योग्य निर्माण करते हैं। एक परिवार जिसमें रहता है, उसे 'फ्लैट' कहते हैं। आजकल बहुत ज्यादा परिवार अर्थात 50 से

कंकर मिश्रण यंत्र

क्रेन

सामान ऊपर ले जाने वाला यंत्र

समूहों में चर्चा कीजिए-

- अपार्टमेंट की आवश्यकता क्या है? उससे क्या लाभ है?
- इन्हें इतना ऊंचा कैसे बनाया गया होगा सोंचिए?
- उतनी ऊंचाई तक निर्माण सामग्री कैसे पहुंचाई गई होगी?

SCERT TELANGANA

सोचिए...

अपार्टमेंट साधारण गृहों के बीच क्या अंतर है बताइए?

भी अधिक परिवारों के आवाज योग्य अपार्टमेंटों का निर्माण हो रहा है। अपार्टमेंट के निर्माण के लिए कौन-कौनसी वस्तुओं का उपयोग करते हैं? तुम्हें मालूम है? निम्न वस्तुओं की ओर ध्यान से देखिए।

साधारण रूप से अपार्टमेंटों में नीचे संगमरमर या टाइल्स लगाते हैं। क्या तुम्हारे प्रांत में यह मिलते हैं। ये तुम्हारे प्रांत में कहां से कैसे लाए गए पता करके बताइए।

साधारणतः घर के दरवाजे, खिड़कियाँ लकड़ी **की** होती हैं। आजकल लोहे **का** भी **उपयोग** कर रहे हैं। आ [illegible] दरवाजों का उपयोग हो रहा है। खिड़कियों और दरवाजों के लिए शीशे का भी उपयोग

सोचिए...

दरवाजों, खिड़कियों आदि के लिए लकड़ी के बदले दूसरी सामग्री का उपयोग क्यों किए होंगे?

8.7. गृह-विविध प्राँत

गर्मी, जलपात, उपलब्ध सामग्री के आधार पर घरों का निर्माण होता है। अपने देश के विभिन्न प्रांतों रहने वाले गृहों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

पूर्वोत्तर राज्य असम, मेघालय, नागालैंड में वर्षा अधिक होती है। वातावरण भीगा-भीगा रहता है। सन् 1826 में ब्रिटिश वालों ने यहाँ गृह बनाना आरंभ किया। यहाँ लकड़ी से बने घर अधिक दिखाई देते हैं। बाँस की लकड़ियों का उपयोग दीवार की तरह करते हैं। इसको

सोचिए...

घर की छत अस्बस्तास से एक ओर झुका हुआ क्यों रखते हैं?

SCERT TELANGANA

गोबर से मिली नरम मिट्टी पोतते हैं। घर की छत अस्बस्तास से थोड़ा झुकी हुई बनाते हैं। निचला भाग स्लिट्स पर बनाते हैं। वर्षा का पानी जाने वाले मार्ग को 'स्टिल' कहते हैं।

कश्मीर बहुत ठंडा प्रदेश है। यहाँ तापमान कभी-कभी शून्य डिग्री से भी कम हो जाता है। यहां पर्वतों पर घर होते हैं। श्रीनगर में दल शील में 'डोंगा' नाम नाव घरों में यात्री विहार करते हैं।

क्या तुम्हें मालूम है?

अपने राज्य में तांडूर क्षेत्र में रंगीन पत्थर उपलब्ध होते हैं। इस प्रांत में पत्थर कम मूल्य में मिलते हैं, इसलिए घर की दीवारें, छत, फ्लोरिंग सब पत्थर से ही निर्माण करते हैं। पत्थर की छत। क्या विचित्र नहीं है। उसी तरह समुद्र के किनारे वाले प्रांतों में नारियल के पत्तों को, नल्लमला, मन्यम जंगलों में बांस का प्रयोग गृह निर्माण के लिए ज्यादा करते हैं।

8.8. गृह-समस्याएँ

समूह में चर्चा कीजिए-

- बच्चों! आप सबके निजी घर हैं? आपका घर किस प्रकार का है?
- सबेरे निजी घर नहीं है, क्यों?
- जिनका निजी घर नहीं है उनकी क्या समस्याएँ हैं?
- आपके घरो में क्या-क्या सुविधाएँ हैं? आपको कैसे घर पसंद हैं?
- घर की सुविधाओं में इस तरह अंतर के कारण क्या हो सकते हैं?

SCERT TELANGANA

हमारे जीवन यापन के लिए गृह आवश्यक है ना। तो फिर हमारे चारों ओर रहने वालों में बहुत सारे लोगों को निजी गृह नहीं होते हैं। अपने राज्य में बहुत सारे लोग निर्धन हैं। वे सब किराये के घरों में,

सोचिए...

झोपड़पट्टी इतना अस्वच्छ क्यों रहती है?

अस्थाई निवास स्थानों में रहते हैं। गरीबों के लिए सरकार घर बनाकर दे रही है।

नगरों में गरीब लोग नालियों के छोर पर, नदी के किनारे, सरकारी स्थलों के रिक्त जगह पर झोपड़ियाँ डालकर निवास करते रहते हैं। हैदराबाद की एक झोपड़पट्टी का चित्र देखिए। लोग यहाँ क्यों रहते हैं?

8.9. घर के बाहर मल विसर्जन

ग्रामीण प्राँतों में अभी भी बहुत सारे घरों में शौचालय नहीं है। कुछ लोग शौचालय रहने पर भी घर के बाहर ही मल विसर्जन कर रहे हैं। यह एक बुरी आदत है। इसके कारण अनेक हानियाँ हैं। मल पर बैठी

मक्खियों से जीवाणु फैलते हैं। नालियों के छोर, तालाब के बाँध के पास मल विसर्जन करने से वर्षा द्वारा वह पानी में पहुँच जाता है। ऐसे पानी को पीने से और दूषित खाद्य पदार्थ खाने से कलरा, टाइफाइड जैसी बिमारियाँ फैलती हैं। खुले प्रदेश में मल विसर्जन करने से केंचुए फैलते हैं। पेट में केंचुए रहने पर रक्तहीनता होती है। अपना खाना केंचुए खा लेते है। हम निर्बल हो जाते हैं। साल में दो बार पेट से केंचुए दूर करने डीवार्मिंग की गोलियाँ खानी चाहिए।

8.10. संपूर्ण स्वच्छता अभियान

सबके लिए शौचालय उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयत्न कर रही है। कमजोर वर्ग के लिए शौचालय निर्माण के लिए आर्थिक सहायता कर रही है। आपके गाँव में कितने लोगों ने इसका उपयोग किया है?

घर में शौचालय रहने पर ही गृहस्थी बनने की बात अनीता बाई ने कहा-

चित्र में दिखाई दे रही महिला का नाम अनीता बाई है। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में चिचौली इनका ग्राम है। **2011** में रतनपुर ग्रामवासी शिवराम से विवाह हुआ। ससुराल वालों के घर कदम रखते ही वहां शौचालय न होने के कारण अनीता बाई को कठिनाई हुई। शौचालय के न होने के कारण अनीता बाई अपने मायके गई और कहा कि ससुराल वालों के घर में शौचालय निर्माण करने पर ही गृहस्थी करने जाऊंगी। इसके बारे में उनके परिवार में, गांव में चर्चा हुई। सबने कहा कि अनीता बाई ने जो कहा वो सच है। जब अनीता बाई के ससुराल वालों के घर में शौचालय बनाया गया। उसी तरह उस ग्राम के सब लोगों ने शौचालय बनवा लिए। इस तरह अनीता बाई स्वच्छता क्रांति की कारक बनी। यह घटना राष्ट्रीय स्तर पर महत्व प्राप्त की। केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग मंत्री जयराम रमेश ने इन्हें 'सुलभ सानिटेशन अवार्ड' के रूप में पांच लाख रुपये का चेक उपहार में दिया। उस समय के राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भी इनकी प्रशंसा की।

केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश जी से नगर उपहार लेती हुई अनीताबाई

भारत के राष्ट्रपति द्वारा निर्मल पुरस्कार स्वीकार करना

SCERT TELANGANA

क्या तुम्हें मालूम है?

100 प्रतिशत स्वच्छता वाले गांव, विशेषकर गांव के सभी घरों में शौचालय रहरक गांव में सफाई की व्यवस्था सही रहने पर उस गावं को 'निर्मल पुरस्कार' दिया जाता है। इसके कार्यान्वियन करने वालों को राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। तुम्हारे जिले/मंडल में इस तरह निर्मल पुरस्कार प्राप्त करने वाले कितने गांव हैं, पता करके बताइए।

समूह में चर्चा कीजिए-

- क्या कचरा इस तरह फेंकना उचित है? सोचिए।
- क्या इस तरह करने से होने वाले नुकसान के बारे में चर्चा कीजिए?
- तुम्हारे घर/पाठशाला के कचरे को क्या करते हैं?
- **क्या सब** कचरा व्यर्थ होता है? क्या फिर किसी के लिए प्रयोग कर सकते हैं?
- घर में कचरा कम करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

8.11. स्वच्छता जरूरत

आरोग्य ही महाभाग्य कहा जाता है। अस्वच्छता (गंदगी) के कारण अनेक बीमारियां फैलती हैं। हमारे स्वास्थ्य के लिए अस्वच्छता प्रथम शत्रु है। निम्न चित्र देखिए। क्या हो रहा है बताइए। इसके कारण किस तरह की हानि हो रही है?

8.12. घर में कचरा

तुम्हारे घर में जमा होने वाले व्यर्थ सामान देखिए। इसमें क्या-क्या हैं? खाद्य पदार्थ, पत्ते, फलों का छिलका जैसे कच्चा कचरा, कवर, कागज के टुकड़े जैसे हैं ना?

सोचिए...

तुम्हारे घर में कितने प्रकार का कचरा रहता है? इस कचरे को तुम क्या करते हो? इसमें कच्चा कचरा कौनसा है? सूखा कचरा कौनसा है?

SCERT TELANGANA

कच्चा कचरा जल्दी गलकर मिट्टी में मिल जाता है। इसलिए इसे कंपोस्ट के गड्ढे में डालना चाहिए। सूखे कचरे को पुनः उत्पादन (री-साइकिल) करने का मौका रहता है। इनका संग्रह करने वालों को देना चाहिए। नगरों में नगर निगम वाले कच्चा कचरा, सूखा कचरा अलग-अलग इकट्ठा करने की

व्यवस्था कर रहे हैं। नगर पालिका की वाहन आपके घर के सामने आए तब कच्चा, सूखा कचरे के डिब्बे उन्हें सौंपने चाहिए।

घर के परिसर में, पाठशाला में जमा हुआ कचरा, पत्तों को जमा करके जलाना सही नहीं है। इसके कारण वायु प्रदूषण होता है। टीन, शीशा आदि उसी तरह बच जाते हैं। ऐसा करना पर्यावरण के लिए हानिकारक है।

क्या तुम्हें मालूम है?

चंडीगढ़ में लेकचंद्र नामक व्यक्ति ने जनता द्वारा फेंके गए कचरे का संग्रह करके उसे निर्माण सामग्री में परिवर्तित करके सुंदर 'राक गार्डन' का निर्माण किया।

अपने अड़ोस-पड़ोस को स्वच्छ रखना जितना मुख्य है, कचरा रहित बनाना भी उतना ही मुख्य है। सोचिए कि घर में उत्पनह्न होने वाले कचरे को कैसा कम कर सकते हैं। पर्यावरण के संरक्षण के लिए यह तीन सूत्र का पालन सबको करना चाहिए।

1. **कचरे को कम करना-** आवश्यक वस्तुओं को जितनी जरूरत है, उतना ही उपयोग करने से कचरा कम कर सकते हैं या पूरा बंद कर सकते हैं। उपयोग करके फेंकने योग्य प्लास्टिक के ग्लास, प्लेट, थैलियां, चाय गिलास, चम्मचों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उनका एक

सोचिए...

अपनी पाठशाला में कंपोस्ट गड्ढे की व्यवस्था कीजिए। इसमें पेड़ों के पत्ते आदि कचरा डालिए। मिट्टी से ढंक दीजिए। एक महीने में तैयार कंपोस्ट पाठशाला के बगीचे के पौधों में डालिए।

दिन/एक बार उपयोग करके फेंकने से जहां देखे वहां ढेर लग जाता है। वातावरण प्रदूषण, पानी में डालने से उसमें रहकर जलप्रदूषण होकर पौधे, मछलियां मर रहे हैं। इस प्लास्टिक के बदले स्टील, लौह से बनी चीजें प्रयोग करना चाहिए। इन्हें बार-बार उपयोग कर सकते हैं। फेंकने की जरूरत नहीं रहती।

2. **पुनः प्रयोग-** औजार मरम्मत करके या रीफिलिंग करके उपयोग करना, थैले, कवर जैसे बिना फेंके पुनः प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से प्लास्टिक का प्रयोग कम करने वाले बनेंगे।

3. **पुनः उत्पादन (री साइक्लिंग)-** लोहा, प्लास्टिक, शीशा, कागज, इलाक्ट्रॉनिक वस्तुओं

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द:

1. थापी मिस्त्री	6. अपार्टमेंट	11. रूफ गार्डन
2. गृह निर्माण	7. मिट्टी के बंगले	12. ईंट की भट्टी
3. खपरैल का घर	8. घर की छत	13. पत्थर क्रशर, क्रेन
4. भवन	9. गृह नक्शा	14. झोपड़पट्टी
5. कच्चा कचरा	10. सीमेंट कांक्रीट	15. सफाई/स्वच्छता

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) आपके प्राँत में किस प्रकार के घर हैं?

आ) गृह निर्माण में स्थानीय मिलने वाले दूसरे प्रांतों से लाने वाली सामग्री की तालिका लिखिए।

इ) गृह निर्माण में कौन-कौन भाग लेते हैं? उन्हें क्या कहते हैं?

ई) बहुत सारे लोगों को अभी भी निजी घर नहीं है, क्यों?

उ) कई तल वाले भवन क्यों निर्माण कर रहे हैं? इनके क्या लाभ हैं? लिखिए।

ऊ) तुम्हारा घर स्वच्छ रहे, इसके लिए तुम क्या करोगे?

ऋ) कुछ घरों में सभी सुविधाएँ होती हैं? क्यों?

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना

अ) श्रीधर अभी-अभी मोटर साइकिल पर भारत की यात्रा कर आया है। देश के विभिन्न प्रांतों में कैसे गृह है जानने के लिए उससे कौनसे प्रश्न पूछेंगे?

आ) बिलाल गृह निर्माण कराना चाह रहा है। गृह निर्माण के बारे में थापी मिस्त्री से क्या-क्या प्रश्न पूछे होंगे लिखिए?

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

किसी एक सरकारी सहायता से बनाये घर का निरीक्षण करके तालिका पूर्ति कीजिए।

अ) बेसमेंट की ऊंचाई ..... गज

आ) कमरों की संख्या .....

इ) जल की व्यवस्था ..... है/नहीं

ई) शौचालय ..... है/नहीं

उ) चहार दीवार ..... है/नहीं
अगर है तो लंबाई ..... गज

SCERT TELANGANA

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

♦ अपने निकट के पांच घर जाकर सूचना प्राप्त करके लिखिए-

क्र.सं.	परिवार के मालिक का नाम	कचरा कहाँ डाल रहे हैं?			
		गोबर आदि का जमाव	कचरे की कुंडी	दीवार के पास	सड़क पर

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) आप जिस घर में हैं, उसका नक्शा खींचिए। उसमें क्या-क्या हैं? पहचानिए।

आ) कल्पना कीजिए कि सुंदर, स्वच्छ घर कैसा होता है। उस घर का चित्र चार्ट पर खींचिए। रंग भरिए। घर के बारे में पांच-छह वाक्य लिखिए। कक्षा में प्रदर्शन कीजिए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरूकता

अ) गृह निर्माण में बहुत सारे मजदूरों की मेहनत की आवश्यकता रहती है ना। उनके श्रम की तुम किस तरह प्रशंसा करोगे?

आ) तुम्हारे गांव में, मोहल्ले में अच्छा घर किसका है, वह अच्छा क्यों है कारण लिखिए।

इ) तुम्हारा घर पौधों, पक्षियों, जानवरों से चहचहाने के लिए तुम क्या करोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. गृह निर्माण के बारे में आवश्यक सामग्री के बारे में, विभिन्न प्रकार के घरों के बारे में वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
2. घर, गृह निर्माण के बारे में थापी मिस्त्री से प्रश्न पूछ सकता हूँ। हाँ/नहीं
3. पास के घरों को जाकर सूचना इकट्ठा करके तालिका में लिखकर वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
4. हमारे घर का नक्शा, सुंदर घर का चित्र खींचकर वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
5. मजदूरों के श्रम की प्रशंसा कर सकता हूं। जैव-विविधता के लिए प्रयत्न कर सकता हूँ। हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA